वानिकी प्रशिक्षण संस्थान (Forestry Training Institute), पिंजोर, हरियाणा के वनपाल प्रशिक्षणार्थियों के दल का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में भ्रमण (दिनांक 5/1/2017)

वानिकी प्रशिक्षण संस्थान, पिंजोर, हरियाणा के वनपाल प्रशिक्षणार्थियों (29 सदस्य) के दल ने क्षेत्रीय वन अधिकारी श्री यशपाल के नेतृत्व में दिनांक 5/1/2017 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण किया । भ्रमण के प्रारम्भ में कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने दल का संस्थान में स्वागत करते हुए पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान एवं संस्थान की शोध गतिविधियों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया जिसमें कृषि वानिकी एवं सिल्वी-पेस्टोरल मॉडल (Agroforestry & Silvipastoral models), सतही वनस्पति से टिब्बा स्थिरीकरण (Sand dune stabilization using surface vegetation), मृदा एवं जल संरक्षण तकनीक (soil & moisture conservation techniques), कार्बन प्रच्छादन (Carbon sequestration), गुग्गल प्रोजेक्ट इत्यादि विषयों की जानकारी दी। इसके बाद भ्रमणकारी दल ने विभिन्न प्रयोगशालाओं उत्तक संवर्धन, जल एवं मृदा परीक्षण, पारिस्थितिक प्रभाग, वन संरक्षण प्रभाग, अकाष्ठ वनोपज प्रभाग, प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया जहां शोध कर्ताओं ने विभिन्न विषयों से संबंधित शोध गतिविधियों की जानकारी भ्रमणकारी दल को करवायी। भ्रमणकारी दल को उत्तक संवर्धन से विकसित गुग्गल पौधारोपण का अवलोकन करवाया गया।

तत्पश्चात भ्रमणकारी दल के सदस्यों ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ विभिन्न प्रकार के पोस्टरों के माध्यम से प्रदर्शित अनुसंधान संबंधी विभिन्न सूचनाओं तथा अन्य सामग्री का अवलोकन किया। यहाँ पर श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने अवक्रमित पहाड़ियों का पुनःस्थापन (Restoration of degraded hills), टिब्बा स्थिरीकरण (Sand Dune Stabilization), जल प्लावित भूमि का पुनःस्थापन (Restoration of Water Logged Areas), कृषि वानिकी (Agroforestry) इत्यादि विषयों से संबंधी जानकारी करायी। यहाँ श्री चौधरी ने संभाषण द्वारा वृक्षों से होने वाले प्रत्यक्ष एवं परोक्ष लाभों की जानकारी देते हुए पेड़ों की महत्ता बताई तथा पॉलिथीन के दुष्प्रभाव की चर्चा भी की।

प्रशिक्षणार्थियों ने संस्थान की पौधशाला का भ्रमण कर पौधशाला प्रबंधन से संबन्धित विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। नर्सरी प्रभारी श्री सादुलराम देवड़ा ने नर्सरी संबंधी जानकारी प्रशिक्षणार्थियों को करवाई।

भ्रमण कार्यक्रम का समन्वयन श्रीमती भावना शर्मा, वैज्ञानिक, 'डी' ने किया तथा भ्रमण कार्यक्रम में श्री रतनाराम लोहरा, अनुसंधान सहायक-प्रथम एवं श्री तेजाराम का सहयोग रहा।